हाथी
की
हिचकी
जेम्स प्रेलर
चित्रकार हैन्स विलहेम
SCHOLASTIC

हाथी की हिचकी

हाथी की हिचकी

लेखकः जेम्स प्रेलर
चित्रांकनः हैन्स विलहेम
अनुवादः पूर्वा वर्मा

जून 2007 / 3000 प्रतियाँ
80 ग्राम मेपलिथो एवं 250 ग्राम कोटेड बोर्ड (कवर) पर प्रकाशित
यह संस्करण, पराग इनिशिएटिव, सर रतन टाटा ट्रस्ट के वित्तीय सहयोग से विकसित
मूल्यः 30.00 रुपए
ISBN-10 81-7655-674-2
ISBN-13 978-81-7655-674-3

एकलव्य के लिए स्कॉलास्टिक द्वारा प्रकाशित

सम्पर्कः एकलव्य
ई-7/एचआईजी 453, अरेरा कॉलोनी
भोपाल-462 016 म.प्र.
फोनः (0755) 246 3380
फैक्सः (0755) 246 1703
www.eklavya.in
सम्पादकीयः book@eklavya.in
किताबें मँगवाने के लिएः pitara@eklavya.in

Original English edition published in November 1994 by Scholastic Inc.

This Hindi edition published in June 2007 by Scholastic India Pvt. Ltd.,
Golf View Corporate Tower-A, Third Floor, DLF Phase-V, Gurgaon 122 002

हाथी की हिचकी

जेम्स प्रेलर

चित्रांकन हैन्स विलहेम

अनुवाद पूर्वा वर्मा

एकलव्य के लिए

स्कॉलास्टिक द्वारा प्रकाशित

सोने का समय हो गया था। सभी जानवर गहरी नींद सो रहे थे।

सिर्फ हाथी को छोड़कर।
उसे हिचकी आ रही थी।

हिक्! हिक्!

चिम्पैंज़ी जाग गया।

"मैं जानता हूँ तुम्हारी हिचकी का इलाज,"
उसने कहा।
"सिर पर खड़े हो जाओ और
एक केला खाओ।"

हाथी ने वैसा ही किया।

धड़ाम्!

उसे चक्कर आ गया।

हिक्! हिक्!

शेर जाग गया।

“मैं बताऊँ क्या करना है?”
उसने कहा।
“ढेर सारा पानी पी जाओ,
गटागट।”

हाथी ने वैसा ही किया।

उसने पानी पिया
और पिया
और पिया
और पिया।

हिक्! हिक्!

ज़ेबरा जाग गया।

‘‘अभी ठीक करता हूँ तुम्हारी हिचकी,’’
ज़ेबरा बोला।
‘‘साँस रोको और दस से पीछे की
गिनती करो।’’

हाथी ने वैसा ही किया।

10... 9... 8... 7... 6... 5... 4... 3... 2... 1...

हिक्! हिक्!

चूहा जाग गया।

“यह कैसी आवाज़ है?”
उसने पूछा।
“मुझे सोना है।”

"बेचारे हाथी को हिचकी
आ रही है,"
चिम्पैंज़ी ने कहा।

चूहे ने हाथी की आँखों में देखा
और चिल्लाया, "बू... बू... बू... "
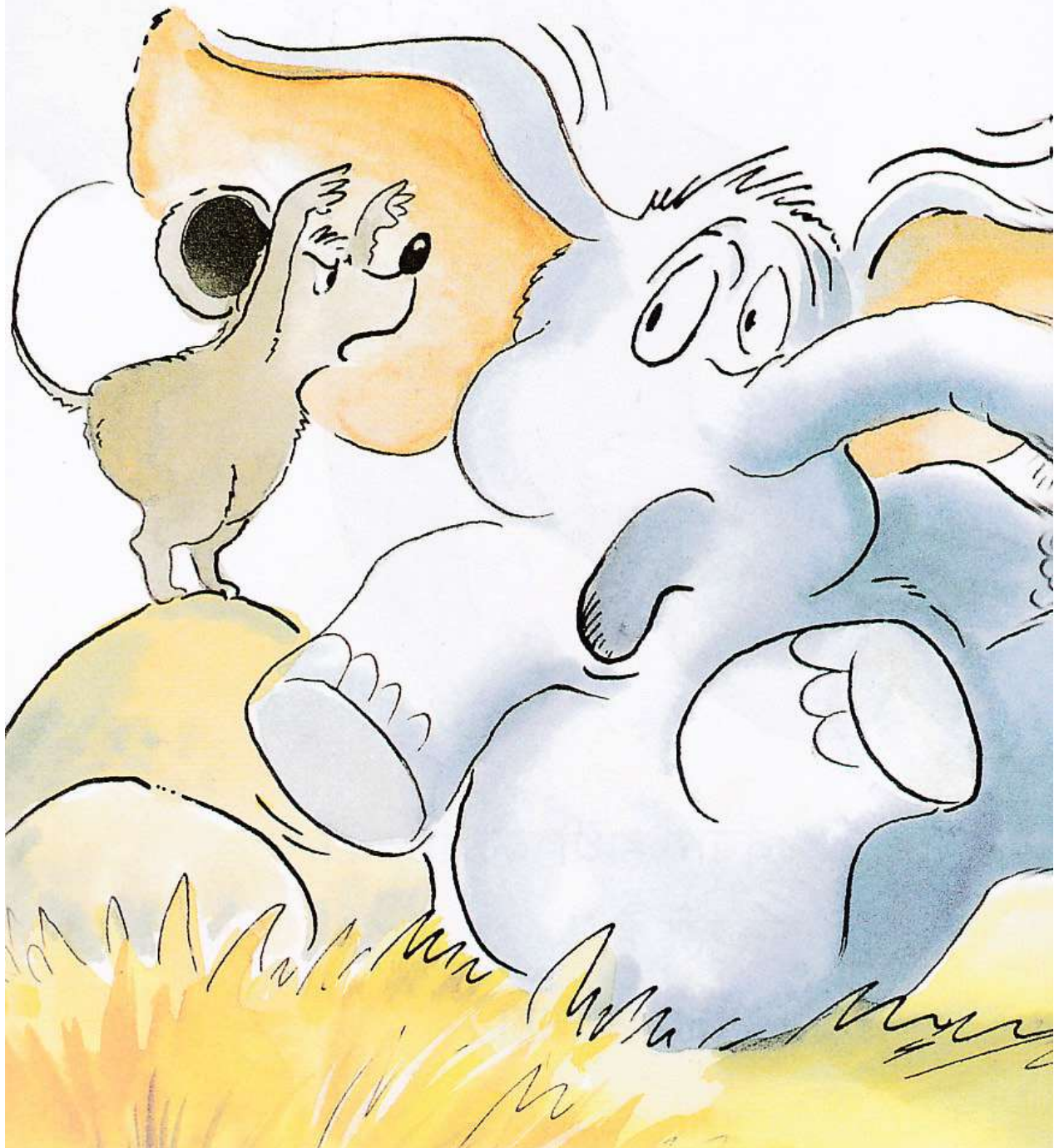
सब देखते ही रह गए।
और हिचकियों की आवाज़ रुक गई!

"इससे हमेशा हिचकी रुकती है,"
चूहे ने कहा।

सब जानवर फिर से सो गए।

सिर्फ हाथी को छोड़कर...
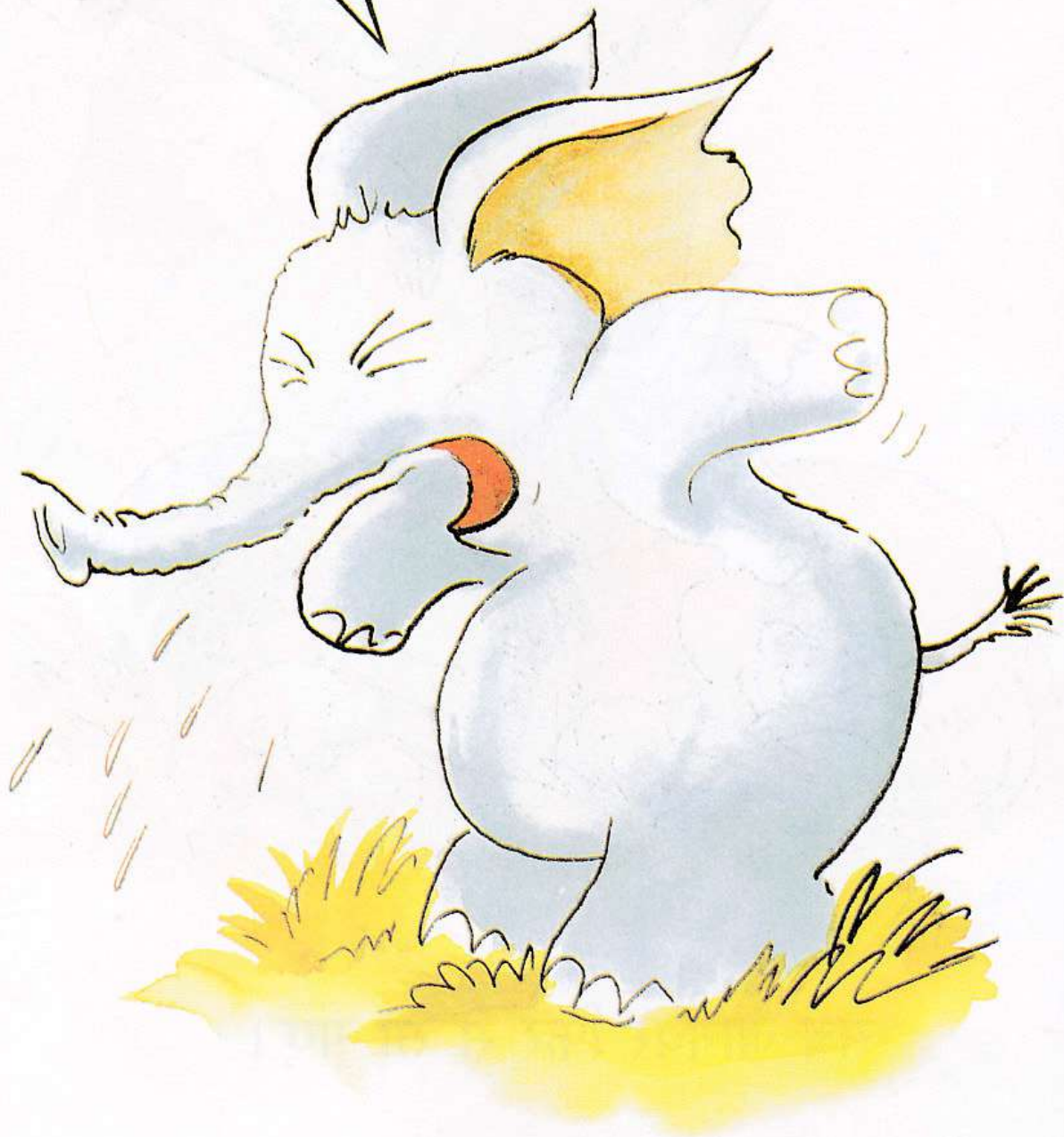
हाथी को हिचकी आ रही है
और रुक ही नहीं रही!
कौन बताएगा इसका उपाय?

एकलव्य के लिए स्कॉलास्टिक द्वारा प्रकाशित

मूल्य 30.00 रुपए
ISBN-10 81-7655-674-2
ISBN-13 978-817655-674-3